विचार बिन्दु

उदय होते समय सूर्य लाल होता है और अस्त होते समय भी। इसी प्रकार संपत्ति और विपत्ति के समय महान पुरुषों में एकरूपता होती है।

–कालिदास

बढ़ते शहरीकरण के साइड इफेक्ट

मानव इतिहास में संभवतः यह पहला मौका होगा जब गांवों की तुलना में शहरों में निवास करने वालों की आबादी अधिक हो गई है। एक समय था जब हमारे देश के लिए के बारें में तो कहा ही यह जाता था कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। आज दुनिया के देशों की कुल आबादी में से 56 फीसदी आबादी शहरों में रहने लगी है। शहरीकरण की कमोबेस यह स्थिति दुनिया के अधिकांश देशों में हो रही है। गांवों से शहरों की और पलायन से आज दुनिया का कोई देश अछूता नहीं है। इसमें कोई दो राय नहीं कि शहरीकरण का पैमाना विकास को माना जाता है। आज वैश्विक आबादी 8.1 अरब हो गई है। इसमें से आधी से भी ज्यादा यानी कि लगभग 56 प्रतिशत आबादी शहरों में निवास करने लगी है। इसमें हमें स्वीकारना ही होगा कि जब भी शहरों में कोई नई कालोनी विकसित होती है तो यह साफ हो जाता है कि किसी ना किसी गांव की कुर्बानी उसमें छिपी होती है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि शहरीकरण को विकास का पैमाना माना जाता है। शहरों में गांवों की तुलना में अधिक साधन, सुविधाएं, रोजगार, स्वास्थ्य षिक्षा दूसरे शब्दों में आधारभूत सुविधाएं अधिक होती है। पर इसके साथ ही यह सुविधाएं उस मायने में सभी को नसीब भी नहीं होती। रोजगार के लिए गांवों से शहरों में आने वाले बहुतायत में लोगों को कच्ची बस्तियों, चालों, या एक से दो कमरें की मकानों में किराए पर रहने को बाध्य होना पड़ता है। शहरों में बुनियादी सुविधाएं तो बहुत होती हैं पर सामाजिक और पर्यावरणीय क्षेत्र में खासा नकारात्मक प्रभाव देखा जा सकता है। देखा जाए तो लाख सुविधाओं के बावजूद बढ़ती जनसंख्या और अन्य कारणों से शहरों में रहना दुभर ही होता जा रहा है।

दरअसल शहरीकरण के समय अन्य पहलूओं की और ध्या नही नहीं दिया जाता है। प्राकृतिक जल स्त्रोत समाप्त कर दिये जाते हैं तो पानी के संग्रहण के सारे रास्ते बंद हो जाते हैं। आबादी के घनत्व के कारण वातावरण प्रभावित होता है और जिस तरह से पर्यावरण को लेकर के समास्याओं से दो चार होना पड़ रहा है और मौसम में बदलाव देखा जा रहा है, कंक्रिट के जंगलों के कारण तापमान नित नया रेकार्ड बनाता जा रहा है वहीं पेयजल की समस्या, प्रदूषित वायु, सड़कों पर निर्बाध आवागमन की समस्या, अत्यधिक आवागमन साधनों के कारण प्रतिदिन की जाम की समस्या, नित नई बीमारियों का प्रकोप, प्रदूषित हवा पानी, अपषिष्टों के निस्तारण की समस्या और अपशिष्टों के कारण नित नए आकार लेते पहाड़, और तो और बिजली की अत्यधिक मांग के कारण आये दिन विद्युत संकट, अस्पतालों में लगती भीड़ जो बीमारी के ईलाज के स्थान पर बीमारी का कारण बनती जा रही है। माल्स कल्चर के कारण छोटे दुकानदारों और वैण्डर्स के सामने रोजगार की समस्या के साथ ही माल्स से भी मोहभंग होने के कारण घोस्ट माल्स में तबदील होत माल्स आदि ऐसी समस्याएं हैं जिनके कारण आम आदमी की सामान्य जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। शुद्ध हवा पानी तो अतीत और कल्पना की बात हो चुकी है। शहरीकरण का एक दूसरा रुप हर जरुरत का बाजारीकरण के रुप में देखा जा सकता है। चारों तरफ दुकाने ही दुकाने दिखाई देती है चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में हो, स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो या फिर खान-पान का क्षेत्र हो। फास्ट फूड जिसके बारे में जानते हैं कि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है पर जानकार ही सबसे ज्यादा इसे पसंद करते हैं और उपयोग करते हैं। दरअसल शहरीकरण के चलते रिश्ते नाते, खान-पान, रहन-सहन सबकुछ बदल गया है और उसके परिणाम सामने आने लगे हैं।

> **माल्स कल्चर के कारण छोटे दुकानदारों और वैण्डर्स के सामने रोजगार की समस्या के साथ ही माल्स से भी मोहभंग होने के कारण घोस्ट माल्स में तबदील होत माल्स आदि ऐसी समस्याएं हैं जिनके कारण आम आदमी की सामान्य जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। शुद्ध हवा पानी तो अतीत और कल्पना की बात हो चुकी है। शहरीकरण का एक दूसरा रुप हर जरुरत का बाजारीकरण के रुप में देखा जा सकता है। चारों तरफ दुकाने ही दुकाने दिखाई देती है चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में हो, स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो या फिर खान पान का क्षेत्र हो। फास्ट फूड जिसके बारे में जानते हैं कि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है पर जानकार ही सबसे ज्यादा इसे पसंद करते हैं और उपयोग करते हैं।**

यदि नियोजित तरीके से शहरीकरण होता है, शहरों का विस्तार होता है, आबादी के घनत्व को ध्यान में रखा जाता है, जहां नई कॉलोनी विकसित की जाती है वहां आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है और प्राकृतिक स्त्रोतों को ताल-तलैयाओं को संरक्षित किया जता है तो समस्या का कुछ हद तक समाधान देखा जा सकता है। पर ऐसा हो नहीं रहा है। प्रबुद्ध नागरिक इसको लेकर चिंतित रहते हैं और अनियोजित शहरी विकास को नियोजित विकास का रुप दिलाने के लिए न्यायालयों तक का दरवाजा खटखटाने लगे हैं। हांलाकि आज ग्रामीण पर्यटन जैसे नए कंसेप्ट आने लगे हैं। लोग एकाध दिन गांवों में गुजारना चाहते हैं। ग्रामीण संस्कृति और रहन-सहन से रुबरु होना चाहते हैं। इस दिशा में भी केवल व्यावसायिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ जाने से परिणाम अपेक्षित प्राप्त होंगे, इस पर प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है।

शहरीकरण के साइड इफेक्ट हमारे सामने आने लगे हैं। ऐसें में हमें गंभीर विचार करना होगा और इस तरह के प्रयास करने होंगे जिससे प्रकृति और विकास में समन्वय बना रह सके। विकास प्रकृति को विकृत करने का माध्यम ना बन सके।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 13 जुलाई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुकल पक्ष, सप्तमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, हस्त नक्षत्र सायं 7:15 तक, शिव योग रविवार प्रातः 6:15 तक, वणिज करण दिन 3:06 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-कर्क, गुरू-वृष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से सायं 7:15 तक रहेगा। भद्रा दिन 3:06 से रात्रि 4:16 तक रहेगी। आज सूर्य पूजा, मत्थर दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:27 से 9:09 तक, शुभ 12:32 से 2:14 तक, लाभ-अमृत 2:14 से 5:37 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:45, सूर्यास्त 7:19

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों का विस्तार हो सकता है और व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

सिंह
नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का भय बना रहेगा।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

विद्यार्थी अर्जित ज्ञान का उपयोग राष्ट्र और समाज के विकास के साथ मानव कल्याण में करें'

राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने जोधपुर में एम.बी.एम. विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में शिरकत की

राज्यपाल कलराज मिश्र ने समारोह में विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए।

> **दीक्षांत समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने 19 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए**

जोधपुर, (कासं)। राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा कि प्रौद्योगिकी शिक्षा के तहत विश्वविद्यालय युवाओं को नवाचारों से जोड़ते हुए शोध की मौलिक भारतीय दृष्टि से संपन्न करें। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा का उद्देश्य छात्रों में निहित अद्वितीय क्षमताओं को पहचान कर उन्हें भविष्य के अवसरों के लिए तैयार करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से आव्हान किया कि वे अर्जित ज्ञान का उपयोग राष्ट्र और समाज के विकास के साथ ही मानवता के कल्याण में करें। राज्यपाल मिश्र जोधपुर स्थित एम.बी.एम. विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने 19 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए, जिसमें 13 गोल्ड मेडल यूजी के विद्यार्थियों को, 4 गोल्ड मेडल पीजी के विद्यार्थियों को एवं 2 गोल्ड मेडल एमसीए के विद्यार्थियों को प्रदान किए गए। साथ ही वर्ष 2022 एवं 2023 में उत्तीर्ण 680 विद्यार्थियों को स्नातक में उपाधियां प्रदान की। इसी प्रकार कुल 167 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर में, 28 विद्यार्थियों को बी आर्किटेक्चर में, 52 विद्यार्थियों को एमसीए में एवं 11 विद्यार्थियों को पी.एच.डी की उपाधि प्रदान की गई। समारोह को संबोधित करते हुये राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रबंधन करना हमारी प्राथमिकता है। इस पहल के तहत सभी विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विशेष कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय समय पर दीक्षांत समारोह आयोजित कर विद्यार्थियों को समय पर उपाधियां प्रदान करें। इससे विद्यार्थी भविष्य में और अधिक ऊर्जा के साथ अपना सर्वस्व देने के लिए तत्पर रहेंगे। मिश्र ने कहा कि शिक्षण में जो भी प्रौद्योगिकी विकसित करें वह युगानुकूल हो। उसका उपयोग मानव कल्याण के लिए करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी वैदिक भारत के सिद्धांतों को आधार बनाकर ऐसे नवाचार करें जो प्रकृति के अनुकूल हो। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी शिक्षण संस्थान तकनीकी शिक्षा में मानवीय मूल्यों का समावेश करें, जिससे विद्यार्थी न केवल भविष्य के लिए अच्छे इन्सान और बेहतर नागरिक बनेंगे, बल्कि सांस्कृतिक रूप में भी और अधिक संपन्न होंगे। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति देश को कौशल विकास से जोड़ने के साथ ही मौलिक शोध एवं अनुसंधान के लिए प्रेरित करने वाली है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स) का है, इसका उपयोग मानवता के कल्याण से जुड़े विषयों में हो। उन्होंने विद्यार्थियों से आव्हान किया कि वे धरती पर जलवायु परिवर्तन अन्य विभिन्न प्रकार के संकटों को सुलझाने में अपना योगदान दें। साथ ही, "नेट ज़ीरो" के लक्ष्य को कैसे प्राप्त करें, इस पर भी तकनीकी शिक्षा आधारित हो। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप चक्रवात, सुखा, बाढ़, भूस्खलन जैसे संकटों में अभियांत्रिकी के उपयोग से आपदाओं के समुचित प्रबंधन में संवाहक बनें।

मिश्र ने कहा कि यह विश्वविद्यालय देश के चुनिन्दा विश्वविद्यालय की सूची में शामिल हैं, जहां पेट्रोलियम में स्नातक पाठ्यक्रम प्रारम्भ हुआ है। यह अच्छी पहल है। इससे पेट्रोलियम रिफाईनरी में भी युवाओं को अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय में केन्द्र सरकार की परियोजना के सामरिक दृष्टि के महत्व के तहत 5जी स्पेक्ट्रम प्रयोगशाला प्रारम्भ की गयी है। उन्होंने कहा कि 5जी से सम्बंधित नये नवाचारों, डिजिटल क्रांति में 5जी के प्रयोगों का लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा। साथ ही, विश्वविद्यालय में गैर पारम्परिक ऊर्जा के स्त्रोतों के अध्ययन के लिए "सेंटर ऑफ एक्सीलेंस" की स्थापना की गई, ताकि परम्परागत पाठ्यक्रमों के साथ-साथ तकनीकी क्षेत्र में होने वाले नये पाठ्यक्रमों से भी विद्यार्थी जुड़ सकेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा लूणी तहसील के डोली गांव को गोद लेकर उसके विकास के लिए किए गए कार्य को अनुकरणीय बताया। दीक्षांत समारोह में एम.बी.एम. विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजय कुमार शर्मा ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के नए परिसर में स्थित नवनिर्मित संविधान स्तम्भ का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएल श्रीवास्तव, कुलसचिव ओपी जैन, वित्त नियंत्रक, सिंडीकेट व सीनेट सदस्य, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, निदेशक, अधिकारी सहित कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

क्रीटी टेक्नोलॉजीज और यूईएम जयपुर ने भारत का पहला एलीक्सिर लैब स्थापित किया

क्रीटी टेक्नोलॉजीज, बैंगलोर ने यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर के साथ मिलकर भारत का पहला एलीक्सिर लैब स्थापित किया है।

> **इस अत्याधुनिक सुविधा का उद्देश्य छात्रों को एलीक्सिर में कौशल प्रदान करना है, जो एक फंक्शनल प्रोग्रामिंग भाषा है और आजकल पूरे विश्व में काफी लोकप्रिय हो रही है**

जयपुर। शैक्षणिक शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच के अंतर को पाटने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, क्रीटी टेक्नोलॉजीज, बैंगलोर ने यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर के साथ मिलकर भारत का पहला एलीक्सिर लैब स्थापित किया है। इस अत्याधुनिक सुविधा का उद्देश्य छात्रों को एलीक्सिर में कौशल प्रदान करना है, जो एक फंक्शनल प्रोग्रामिंग भाषा है और आजकल पूरे विश्व में काफी लोकप्रिय हो रही है। इस लैब का मुख्य उद्देश्य यूईएम जयपुर के छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाना है, उन्हें एलीक्सिर में व्यावहारिक अनुभव और दक्षता प्रदान करना है, ताकि वे शीर्ष कंपनियों में अच्छी नौकरी प्राप्त कर सकें।

नव स्थापित एलीक्सिर लैब का उद्देश्य भारत में प्रोग्रामिंग को सिखाने और सीखने के तरीके में क्रांति लाना है। क्रीटी टेक्नोलॉजीज और यूईएम जयपुर एलीक्सिर पर ध्यान केंद्रित करके छात्रों को आज उपलब्ध सबसे उन्नत और कुशल प्रोग्रामिंग भाषाओं तक पहुंच प्रदान कर रहे हैं। एलीक्सिर अपनी स्केलेबिलिटी, फॉल्ट टॉलरेंस और कॉन्करंट प्रोसेसिंग क्षमताओं के लिए जाना जाता है, जो उच्च-प्रदर्शन वाले अनुप्रयोगों के विकास के लिए इसे आदर्श बनाता है। यूईएम जयपुर के कुलपति, डॉ. बिस्वजॉय चटर्जी ने परियोजना के प्रति अपना उत्साह व्यक्त किया। हम क्रीटी टेक्नोलॉजीज के साथ इस अग्रणी एलीक्सिर लैब की स्थापना में भागीदारी करके बहुत उत्साहित हैं। हमारा मिशन हमारे छात्रों को सर्वोत्तम संभव शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे वे आधुनिक कार्यबल की चुनौतियों के लिए अच्छी तरह से तैयार हो सकें। यह लैब न केवल उनकी तकनीकी क्षमताओं को बढाएगा बल्कि उनके करियर के अवसरों के नए मार्ग भी खोलेगा।

यूईएम जयपुर में एलीक्सिर लैब एआई और एमएल मॉड्यूल शामिल करेगी, जिससे छात्रों को इन परिवर्तनीय तकनीकों की व्यापक समझ प्राप्त होगी। एलीक्सिर की क्षमता कॉन्करंट प्रोसेसिंग को संभालने की इसे एआई और एमएल अनुप्रयोगों के विकास के लिए एक आदर्श विकल्प बनाती है। एलीक्सिर तेजी से उभरती हुई एक सबसे मूल्यवान प्रोग्रामिंग भाषाओं में से एक बन रही है, न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर। अगले कुछ वर्षों में, एलीक्सिर के अगले पीढ़ी के अनुप्रयोगों के विकास में एक प्रमुख भूमिका निभाने की उम्मीद है, विशेष रूप से एआई और एमएल में। रिएक्ट लैब की सफलता व्यावहारिक, हाथों-हाथ प्रशिक्षण की प्रभावशीलता को उजागर करती है, जो छात्रों की तकनीकी क्षमताओं और रोजगार क्षमता को बढाती है। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, जयपुर एक प्रमुख संस्थान है, जो उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। व्यावहारिक शिक्षा और उद्योग सहयोग पर जोर देने के साथ, यूईएम जयपुर अपने छात्रों के भविष्य को आकार देने और उन्हें सफल करियर के लिए तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. बिस्वजॉय चटर्जी ने विश्वविद्यालय की छात्र सफलता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया और बताया कियूईएम जयपुर में, हम अपने छात्रों को सर्वोत्तम संभव शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने में विश्वास करते हैं। एलीक्सिर लैब की स्थापना में क्रीटी टेक्नोलॉजीज के साथ हमारा सहयोग नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। क्रीटी टेक्नोलॉजीज और यूईएम जयपुर द्वारा भारत का पहला एलीक्सिर लैब का शुभारंभ शिक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। छात्रों को एलीक्सिर प्रोग्रामिंग में उन्नत कौशल और एआई और एमएल के साथ इसके एकीकरण से लैस करके, यह पहल प्रोग्रामिंग को सिखाने और सीखने के तरीके मेंक्रांति लाने के लिए तैयार है। जैसे-जैसे एलीक्सिर वैश्विक स्तर पर प्रमुखता प्राप्त कर रहा है, इस भाषा में प्रशिक्षित छात्र शीर्ष प्लेसमेंट प्राप्त करने और अगली पीढी के अनुप्रयोगों के विकास में योगदान देने के लिए अच्छी स्थिति में होंगे। यूईएम जयपुर की उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करती है कि उसके छात्र आधुनिक तकनीकी उद्योग की चुनौतियों और अवसरों के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

सोशल मीडिया के मिशन कन्यादान से गरीब बेटी की शादी सम्पन्न

सामान सहित नकद राशि वधु की माताजी के हाथों परिवारजनों को सौंपा।

> **70 हजार रुपए नकद के साथ ही अनेक घरेलू सामान भी कन्यादान स्वरूप प्राप्त हुए**

धौलपुर, (निसं)। हर लड़की की चाहत होती है कि उसकी शादी धूमधाम से हो, शादी में अच्छे गिफ्ट मिले, लेकिन आज भी कुछ गरीब परिवार ऐसे हैं जिनके घर में बेटियों की शादी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण समय पर नहीं हो पाती है। वहीं धौलपुर जिले के बाड़ी उपखंड क्षेत्र के खानपुर मीना गांव के युवाओं की टीम हर घर शिक्षा ने गांव की बेटी ललिता जाटव के कन्यादान के लिए मिशन कन्यादान अभियान सोशल मीडिया पर चलाया तो लोगों ने दिल खोलकर सहयोग किया। जिसके चलते 70 हजार रुपए नकद के साथ ही अनेक घरेलू सामान भी कन्यादान स्वरूप प्राप्त हुए, जिसके चलते एक गरीब बेटी की शादी काफी धूमधाम से संपन्न हुई।

जानकारी के अनुसार ललिता का परिवार शादी को लेकर सक्षम नहीं होने के चलते खानपुर गांव की टीम हर घर शिक्षा और युवाओं ने मिशन कन्यादान अभियान की शुरुआत की। क्षेत्र के युवाओं ने आर्थिक तंगी को देखते हुए सोशल मीडिया पर मिशन कन्यादान के नाम से अभियान चलाया तो लोगों ने दिल खोलकर गरीब परिवार की मदद में सहयोग किया। ललिता के पिता भगवान दास जाटव की 14 साल पहले टीबी की बीमारी से मौत हो गई थी। इनके परिवार में 4 बहनों के बीच एक छोटा भाई है, वह भी अधिकतर समय बीमार रहता है। पिता की मृत्यु के बाद परिवार पर मातम छा गया। लेकिन जैसे-तैसे माताजी ने मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण किया।

दो बच्चियों की शादी इनके पिताजी अपने जीवन काल में ही कर गए थे और विगत दिवस ललिता की शादी 11 जुलाई को पुरैनी गांव निवासी श्रीरामनिवास अजमेरिया के पुत्र भोला के साथ धूमधाम से संपन्न हुई, जिसके चलते ललिता के छोटे भाई एवं परिवार जनों ने अभियान की शुरुआत करने वाले युवाओं एवं शादी में सहयोग करने वाले लोगों का आभार जताया।

मिशन कन्यादान के सूत्रधार रोहित मीणा ने बताया कि सामान के बिल सहित नकद राशि को उनकी माताजी के हाथों परिवार जनों को सौंप दिया है। इस कान्यदान में टीम के सक्रिय सदस्य सौरव के साथ भूरी सिंह, अजमेर सिंह, बल्लू, नीरज और हर घर शिक्षा छात्रों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर राजकीय महाविद्यालय बाड़ी के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष काजल परमार, भाजपा महिला पदाधिकारी वंदना शिवहरे, भगवान सिंह मीना, रामू चौधरी, मौहर सिंह मीना, रन सिंह, हाकिम मीना, मोहन सिंह सैन, उदयभान, हरकिशन, रामविलास, जादौन, खेम सिंह आदि मौजूद रहे।

साथ ही शादी को यादगार बनाने के लिए वर-वधु द्वारा एक फलदार पौधा लगाया गया। जो भविष्य में होने वाली खानपुर गांव की बहनों की प्रत्येक शादी में टीम के सहयोग से लगाया जाया करेगा। जिसे उसकी मां उस पेड़ को अपनी बेटी समझ कर पौधे का पालन पोषण करके भविष्य में फल प्राप्त करेगी। जिससे पर्यावरण भी बचेगा और यादगार पल भी बनेगा।